

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण

संदर्भ

वर्तमान समय में देश में **राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण** (National Family Health Survey-NFHS 5) के पाँचवें संस्करण (NFHS 5-2018-19) का आयोजन किया जा रहा है।

प्रमुख बटि

- NFHS-5 (2018-19) के तहत लक्षित आबादी समूहों के नश्वित आँकड़ों को सतत् विकास समूहों के साथ संरेखित करते हुए बढ़ती आयु के साथ मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा इसके जोखिम कारकों पर वसित वचिर- वमिरश कथिा जाएगा।
- कुछ समय पहले NFHS-5 का पुनरगतन कथिा गया जसमें वकिलांगता, मलेरथिा, एचबीए1सी (HbA1c) और वटिामनि डी के परीक्षण के लथि DBS का संगरह और कमर तथा कूलहे की माप, स्कूल-पूरव शकषिा, मृत्यु पंजीकरण आदि शामिल हैं।
- हालाँकि NACO की सहमति से NFHS-5 से HIV परीक्षण को हटा दिया गया है। इसके अलावा शहरी और ग्रामीण आकलन ज़िला स्तर पर तथा सलम, गैर-सलम आकलन की सुवधिा NFHS-5 में प्रदान नहीं की जाएगी।
- NFHS-5 को NFHS-4 का बेचमार्क मानते हुए योजना बनाई गई है। इसमें मार्च, 2017 तक नरिमति नए 67 ज़िलों सहति 707 ज़िलों (2011 की जनगणना के बाद) को शामिल कथिा जाएगा, जबकि NFHS-4 में 640 ज़िले शामिल हैं।
- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (National Family Health Survey- NFHS) के चार राउंड देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आयोजति कथिे जा चुके हैं, जो नमिनलखिति हैं:
 - 1992-93 (NFHS 1)
 - 1998-99 (NFHS 2)
 - 2005-06 (NFHS-3)
 - 2015-16 (NFHS-4)
- वार्षिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (Annual Health Survey- AHS) के तीन राउंडस (2010-11, 2011-12 और 2012-13) को भारत सरकार के जनगणना आयुक्त कार्यालय के माध्यम से क्रमशः असम, बहिर, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 284 ज़िलों के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में कथिा गया था।
- NFHS-1 में जम्मू-कशमीर के श्रीनगर क्षेत्र को कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण कवर नहीं कथिा गया था, वहीं सकिक्मि को भी बुनयिादी पैरामीटर की अनुपलब्धता के कारण इस सर्वेक्षण में शामिल नहीं कथिा गया था।
- NFHS-1, 2, 3 में दलिली को छोड़कर कसिी अन्य केंद्रशासति प्रदेश को सर्वेक्षण में शामिल नहीं कथिा गया था क्योंकि यह सर्वेक्षण राज्यों पर केंद्रति था।
- NFHS-4 में पहली बार राज्य/राष्ट्र स्तर पर आवश्यक वशिषताओं तथा राष्ट्रीय, राज्य एवं ज़िला स्तर पर परिवार कल्याण स्वास्थ्य संकेतकों के आधार पर प्रजनन क्षमता, शशिु और बाल मृत्यु के स्तर का पहली बार एकीकृत सर्वेक्षण कथिा गया।

स्रोत- PIB